Syllbus for M.A. Hindi

Semester I

प्रष्नपत्र	कोड	प्रष्नपत्र का षीर्षक
Paper I		भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा **I**
Paper II		हिन्दी साहित्य का इतिहास **I**
Paper III		आधुनिक गद्य–साहित्य **I**
Paper IV		आधुनिक हिन्दी काव्य **I**
Elective Paper		
Elective I		पत्रकारिता प्रशिक्षण **I**
Elective II		अनुवाद–विज्ञान **I**

Semester II

प्रष्नपत्र	कोड	प्रष्नपत्र का षीर्षक
Paper I		भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा **II**
Paper II		हिन्दी साहित्य का इतिहास **II**
Paper III		आधुनिक गद्य–साहित्य **II**
Paper IV		आधुनिक हिन्दी काव्य **II**
Elective Paper		
Elective I		पत्रकारिता प्रशिक्षण **II**
Elective II		अनुवाद–विज्ञान **II**

Semester III

प्रष्नपत्र	कोड	प्रष्नपत्र का षीर्षक
Paper I		प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **I**
Paper II		काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन **I**
Paper III		प्रयोजनमूलक हिन्दी **I**
Paper IV		भारतीय साहित्य **I**
Elective Paper		
Elective I		राजभाषा प्रशिक्षण **I**
Elective II		कोष विज्ञान **I**

Semester IV

प्रष्नपत्र	कोड	प्रष्नपत्र का षीर्षक
Paper I		प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **II**
Paper II		काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन **II**
Paper III		प्रयोजनमूलक हिन्दी **II**
Paper IV		भारतीय साहित्य **II**
Elective Paper		
Elective I		राजभाषा प्रशिक्षण **II**
Elective II		कोष विज्ञान **II**

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–1 भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा I

पाठ्य विषय :

खण्ड (क) भाषा और भाषा विज्ञान

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा–संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान, स्वरूप एवं व्याप्ति, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक, साहित्यके अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

खण्ड (ख) स्वन विज्ञान

स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, वाग्यन्त्र और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण : स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

खण्ड (ग) रूप विज्ञान

रूप–प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी, सम्बन्धदर्शी रुपिम के भेद और प्रकार्य।

खण्ड (घ) वाक्य विज्ञान एवं अर्थ–विज्ञान

वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण : निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना, अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ–परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं।

संदर्भ सामग्री :

1. भाषा और भाषिकी, देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1993
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण, 1989
3. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 1997
4. मानक हिन्दी का संरचनात्मक भाषा विज्ञान, ओमप्रकाश भारद्वाज, आर्यबुक डिपो, दिल्ली
5. भाषाविज्ञान और मानक हिन्दी, नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली, 1993
6. आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1997
7. आधुनिक भाषाविज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1996
8. भाषाविज्ञान, भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1997
9. हिन्दी भाषा : उद्‌गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1961
10. हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली, 1991
11. हिन्दी : उद्‌भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965

12. हिन्दी भाषा का विकास, देवेन्द्रनाथ शर्मा एवं रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1971
13. हिन्दी भाषा : रूप विचार, सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण', चिन्मय प्रकाशन, जयपुर, 1962
14. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1990
15. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1976
16. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन : दिल्ली, 1976
17. भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली, 1981
18. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
19. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
20. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
21. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
22. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–2 हिन्दी साहित्य का इतिहास I

पाठ्य विषय :

खण्ड (क)

हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन,
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा,
हिन्दी साहित्येतिहास की आधारभूत सामग्री और उसके पुनर्लेखन की समस्याएं,
हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।

खण्ड (ख)

आदिकाल की परिस्थितियाँ,
रासो काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
पृथ्वीराज रासो : प्रामाणिकता का प्रश्न और काव्य सौन्दर्य,
सिद्ध साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
नाथ साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
जैन साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
अमीर खुसरो की हिन्दी कविता,
विद्यापति और उनकी पदावली,
आदिकालीन गद्य–साहित्य।

खण्ड (ग)

भक्ति आंदोलन : उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण,
आलवार सन्त और उनका काव्य,
हिन्दी संतकाव्य का वैचारिक आधार,
सन्तकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ (कबीर, नानक, दादू, रैदास),
हिन्दी सूफ़ीकाव्य का वैचारिक आधार,
सूफीकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ (मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, जायसी),
सूफीकाव्य में भारतीय संस्कृति और लोक जीवन।

खण्ड (घ)

रामकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ,
तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ : काव्य–रूप और महत्त्व,
कृष्णकाव्य : विविध सम्प्रदाय,
कृष्णकाव्य : परम्परा और प्रवृत्त्यिाँ (अष्टछाप),
रामकृष्ण काव्येतर काव्य,

भक्तिकालीन भक्तीतर काव्य,
भक्तिकाल : स्वर्णयुग,
भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

संदर्भ सामग्री :

1. साहित्येहास : संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम कानपुर, 1975
2. हिन्दी साहित्येतिहास : पाश्चात्य स्रोतों का अध्ययन, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, प्रतिभा प्रकाशन, होशियारपुर, 1985
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1961
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, 1963
5. श्रृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन, रमेशकुमार शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978
6. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–2), विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1960
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेनी माधव, इलाहाबाद, 1971
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (सम्पादक) नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड) गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989 एवं 1990
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, 1982
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास, विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
14. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्णन मिश्र, दिल्ली, 1996
15. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दो खण्ड), रामप्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1998
16. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लालचन्द गुप्त 'मंगल', यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र 1999
17. हिन्दी साहित्य का इतिहास (काल विभाजन एवं नामकरण), रमेशचन्द्र गुप्त, निर्मल बुक एजेन्स, कुरुक्षेत्र, 2002

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–3 आधुनिक गद्य–साहित्य I

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. कथाभूमि, डॉ. चितरंजन मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. गोदान : प्रेमचंद

   समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द, प्रेमचन्द की भाषा–शैली, प्रेमचंद की नारी–भावना, प्रेमचंद की दलितचेतना, प्रेमचंद का जीवन–दर्शन, महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना और गोदान, गोदान में गांव और शहर, गोदान और भारतीय किसान, गोदान में यथार्थ और आदर्श, गोदान के मुख्य चरित्र।

2. मैला आँचल–फणीश्वरनाथ रेणु

   आँचलिक उपन्यास परम्परा और रेणु, आँचलिकता और मैला आँचल, मैला आँचल का वस्तु–विन्यास, नायकत्व, लोक–संस्कृति और भाषा, ग्राम्य जीवन में होने वाले राजनीतिक–आर्थिक परिवर्तनों का चित्रण, ग्राम्य जीवन के सामाजिक सम्बन्धों का चित्रण।

संदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1986
2. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास (भाग–1), यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1989
3. उपन्यास का आँचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली, 1985
4. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल, गोपाल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992
5. 'मैला आँचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकान्त पं. बांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ 1993
7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी, 1960
8. निबन्ध : साहित्य और प्रयोग, हरिनाथ द्विवेदी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1971
9. हिन्दी निबन्ध के आलोक शिखर, जयनाथ 'नलिन' मनीषा प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
11. बच्चन, निकब पर, रमेश गुप्ता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1979
12. महादेवी वर्मा, कवि और गद्यकार, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचन्द गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1988
14. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–4 आधुनिक हिन्दी काव्य I

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ

1. कामायनी, जयशंकर प्रसाद ('चिन्ता', 'श्रद्धा' और 'लज्जा') = कुल तीन सर्ग।
2. राग–विराग, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ('राम की शक्ति–पूजा', सरोज–स्मृति' एवं 'कुकुरमुत्ता = कुल तीन कविताएँ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :

पंत–काव्य यात्रा के विभिन्न सोपान, जीवन–दर्शन, प्रकृति–चित्रण, कल्पनाशीलता, सौन्दर्य–चेतना, काव्य–भाषा।

संदर्भ–सामग्री :

1. छायावाद युगीन काव्य : अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
2. प्रसाद और कामायानी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1990
3. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1978
4. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1968
5. निराला, पदमसिंह शर्मा 'कमलेश', राधाकृष्ण, दिल्ली, 1969
6. काव्यपुरुष निराला, जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1970
7. निराला की काव्य चेतना, हुकुमचन्द राजपाल, सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1993
8. सुमित्रानंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्ट, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1951
9. पंत का काव्य : शिवपाल सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1987
10. 'अज्ञेय' कवि, ओमप्रकाश अवस्थी, ग्रन्थम, कारपुर, 1977
11. काव्य भाषा : रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2001
12. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल, 2000
13. साठोत्तरी हिन्दी कविता में क्रान्ति और सृजन, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1996
14. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लनराय, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982
15. नयी कविता की नाट्यमुखी भूमिका, हुकुमचन्द राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1975
16. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 1977

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–5 (v) पत्रकारिता प्रशिक्षण I

1. पत्रकारिता : स्वरूप और प्रकार; विश्व पत्रकारिता का उदय; भारत में पत्रकारिता का आरम्भ; हिन्दी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास; समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व; समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम; समाचार के विभिन्न स्रोत।
2. संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त, (शीर्षक, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया), समाचार पत्रो के विभिन्न स्तरों की योजना; दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता; संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य–पद्धति।

संदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी पत्रकारिता; कृष्णबिहारी मिश्र; भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1969
2. विकास पत्रकारिता; राधेश्याम शर्मा; हरियाणा साहित्य अकादमी; चण्डीगढ़, 1990
3. हिन्दी पत्रकारिता : प्रेमचंद और हंस; रत्नाकर पाण्डेय; प्रवीण प्रकाशन; दिल्ली, 1988
4. विधि पत्रकारिता : चिन्ता और चुनौती; पवन चौधरी; विधि सेवा; दिल्ली, 1993
5. समाचार पत्र : मुद्रण और साज–सज्जा; श्यामसुन्दर शर्मा; मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी; भोपाल, 1978
6. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन; सविता चड्डा; तक्षशिला प्रकाशन; दिल्ली, 1992
7. समाचार फीचर–लेखन एवं सम्पादन कला; हरिमोहन; तक्षशिला प्रकाशन; दिल्ली, 1992
8. हिन्दी पत्रकारिता इतिहास एवं स्वरूप, शिवकुमार दुबे; परिमल प्रकाशन; इलाहाबाद, 1993
9. आधुनिक पत्रकारिता; अर्जुन तिवारी; विश्वविद्यालय प्रकाशन; वाराणसी, 1988
10. सम्पादन के सिद्धान्त; रामचन्द्र तिवारी; आलेख प्रकाशन; दिल्ली, 1987

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–5 (vi) अनुवाद–विज्ञान I

पाठ्य विषय :

खण्ड (क)

अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र एवं सीमाएं;

अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प;

अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।

खण्ड (ख) अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार–माध्यम, विज्ञापन आदि; अनुवाद की समस्याएं: सृजनात्मक/साहित्यिक; कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं; वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं; विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएं।

खण्ड (ग) पाठ की अवधारणा और प्रकृति

पाठ : शब्द, प्रति शब्द; शाब्दिक अनुवाद; भावानुवाद।

संदर्भ सामग्री :

1. राजमल बोरा; अनुवाद क्या है; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
2. मधु धवन; भाषान्तरण कला; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
3. कैलाशचन्द्र भाटिया; भारतीय भाषाएं और हिन्दी अनुवाद : समस्या समाधान; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
4. आरसु; साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।
5. सुरेश कुमार; अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा; वाणी प्रकाशन; नयी दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–1 भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा II

पाठ्य विषय :

खण्ड (क)

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं ; मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं–पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी ; अपभ्रंश और उसकी विशेषताएं; आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।

खण्ड (ख)

हिन्दी की उपभाषाएं–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और उनकी बोलियां; खड़ी बोली ; ब्रज और अवधी की विशेषताएं।

खण्ड (ग)

हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य एवं खण्ड्येतर ; हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग ; प्रत्यय; समास ; रूप रचना–लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप, हिन्दी वाक्य–रचना : पदक्रम और अन्विति देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

खण्ड (घ)

हिन्दी के विविध रूप : सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार–भाषा; हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएं : आंकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाधन; वर्तनी शोधन; मशीनी अनुवाद; हिन्दी भाषा–शिक्षण : स्वरूप एवं उद्देश्य; हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण।

संदर्भ सामग्री :

1. भाषा और भाषिकी, देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1993
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण, 1989
3. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 1997
4. मानक हिन्दी का संरचनात्मक भाषा विज्ञान, ओमप्रकाश भारद्वाज, आर्यबुक डिपो, दिल्ली।
5. भाषाविज्ञान और मानक हिन्दी, नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली, 1993
6. आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग, हाऊस, दिली, 1997
7. आधुनिक भाषाविज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1996
8. भाषाविज्ञान, भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1997
9. हिन्दी भाषा : उद्‌गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1997
10. हिन्दी भाषा, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली, 1991
11. हिन्दी : उद्‌भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965
12. हिन्दी भाषा का विकास, देवेन्द्रनाथ शर्मा एवं रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1971
13. हिन्दी भाषा : रूप विचार, सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण', चिन्मय प्रकाशन, जयपुर, 1962

14. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1990
15. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1976
16. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन : दिल्ली, 1972
17. भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली, 1981
18. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
19. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
20. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
21. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
22. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–2 हिन्दी साहित्य का इतिहास II

पाठ्य विषय :

खण्ड (क)

रीतिकाल : सामाजिक–सांस्कृति परिप्रेक्ष्य,
रीतिकाल का नामकरण,
रीतिकाल के मूल स्रोत,
दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थ परम्परा,
रीति कवियों का आचार्यत्व,
रीतिकाल के प्रमुख कवि (केशव, मतिराम, भूषण, देव, पद्माकर, बिहारी, घनानन्द)।

खण्ड (ख)

रीतिकाव्य में लोक जीवन,
रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिमुक्त काव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिकालीन वीरकाव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिकालीन नीतिकाव्य : सामान्य प्रवृत्तियां,
रीतिकालीन गद्य–साहित्य।

खण्ड (ग)

आधुनिककाल और भारतीय नवजागरण,
भारतेन्दु और उनका काव्य,
भारतेन्दु और उनका मण्डल,
द्विवेदीयुगीन काव्य और उसकी सामान्य प्रवृत्तियां,
राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और काव्य,
स्वच्छन्दतावाद : प्रमुख कवि और काव्य,
छायावादी काव्य (प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी) : सामान्य प्रवृत्तियां,
प्रगतिवादी काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियां,
प्रयोगवाद : कवि और काव्य,
नयी कविता : प्रमुख कवि और प्रवृत्तियां,
आधुनिकता बनाम समकालीनता,
समकालीन कविता : कवि और काव्य,
हिन्दी नवगीत : परम्परा और प्रवृत्तियां,
भारतेन्दु–पूर्व हिन्दी गद्य।

खण्ड (घ)

हिन्दी पत्रकारिता : उद्भव और विकास,
हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास,
हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास,
हिन्दी कहानी और उसके आन्दोलन,
हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास,
हिन्दी निबन्ध : उद्भव और विकास,
हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास
हिन्दी रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्य : उद्भव और विकास,
हिन्दी यात्रासाहित्य : उद्भव और विकास,
हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य : उद्भव और विकास,
हिन्दी डायरी साहित्य : उद्भव और विकास,
हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य : उद्भव और विकास,
दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय,
उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय,
हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य।

संदर्भ सामग्री :

1. साहित्येहास : संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम कानपुर, 1975
2. हिन्दी साहित्येतिहास : पाश्चात्य स्रोतों का अध्यन, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, प्रतिभा प्रकाशन, होशियारपुर, 1985
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1961
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, 1963
5. श्रृंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन, रमेशकुमार शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978
6. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–2), विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1960
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेनी माधव, इलाहाबाद, 1971
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (सम्पादक), नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड) गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989 एवं 1990
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, 1982
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास, विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
14. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण मिश्र, दिल्ली, 1996

15. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दो खण्ड), रामप्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1998
16. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लालचंद गुप्त 'मंगल', यूनिवर्सिटी बुक सैन्टर, कुरुक्षेत्र, 1999
17. हिन्दी साहित्य का इतिहास (काल विभाजन एवं नामकरण), रमेशचन्द्र गुप्त, निर्मल बुक एजेन्सी, कुरुक्षेत्र, 2002

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–3 आधुनिक गद्य–साहित्य II

व्याख्या हेतु पाठ्य ग्रंथ :

1. चन्द्रगुप्त, जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. निबन्ध–निलय, डॉ. सत्येन्द्र (सम्पादक), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. पथ के साथी : महादेवी वर्मा

   'पथ के साथी' का साहित्य रूप, 'पथ के साथी' में संकलित प्रत्येक साहित्यकार के व्यक्तित्व का विवेचन–विश्लेषण, 'पथ के साथी' की गद्य–शैली।

संदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियां, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1986
2. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास (भाग–1), यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1989
3. उपन्यास का आंचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली, 1985
4. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल, गोपाल राय, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992
5. 'मैला आंचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकान्त पं. बांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1993
7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1960
8. निबन्ध : साहित्य और प्रयोग, हरिनाथ द्विवेदी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1971
9. हिन्दी निबन्ध के आलोक शिखर, जयनाथ 'नलिन' मनीषा प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
11. बच्चन, निकष पर, रमेश गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1979
12. महादेवी वर्मा, कवि और गद्यकार, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचंद गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1988
14. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–4 आधुनिक हिन्दी काव्य II

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ

1. अंधेरे में, मुक्तिबोध = कुल एक कविता।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. दिनकर–उर्वशी में कामाध्यात्म, सौन्दर्य–चेतना, संवाद–कौशल, महाकाव्यत्व, तृतीय अंक की विशेषताएं
2. अज्ञेय –प्रयोगधर्मिता, वैयक्तिकता और सामाजिकता, अभिव्यंजना–पक्ष।

संदर्भ सामग्री :

1. छायावाद युगीन काव्य, अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984
2. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1990
3. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1978
4. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1968
5. निराला, पदमसिंह शर्मा 'कमलेश' राधाकृष्ण, दिल्ली, 1969
6. काव्यपुरुष निराला, जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1970
7. निराला की काव्य चेतना, हुकुमचंद राजपाल, सूर्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1993
8. सुमित्रानंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्ट, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1951
9. पंत का काव्य : शिवपाल सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1987
10. 'अज्ञेय' कवि, ओमप्रकाश अवस्थी, ग्रन्थम, कानपुर, 1977
11. काव्य भाषा : रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001
12. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल, 2000
13. साठोत्तरी हिन्दी कविता में क्रान्ति और सृजन, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1996
14. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लनराय, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982
15. नयी कविता की नाट्यमुखी भूमिका, हुकुमचन्द राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1975
16. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 1977
17. कविता और संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–5 पत्रकारिता–प्रशिक्षण II

1. पत्रकारिता सम्बन्धी लेखन (सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन–फालोअप आदि की प्रविधि), इलैक्ट्रौनिक मीडिया की पत्रकारिता (रेडियो, टी.वी. वीडियो, केबल, मल्टी–मीडिया और इन्टरनेट), प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफशोशन, ले–आउट तथा पृष्ठ सज्जा, पत्रकारिता प्रबंध (प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्थां)।
2. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार, मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रैस सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता, प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

संदर्भ सामग्री :

1. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1969
2. विकास पत्रकारिता, राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1990
3. हिन्दी पत्रकारिता : प्रेमचंद और हंस, रत्नाकर पाण्डेय, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1988
4. विधि पत्रकारिता : चिन्ता और चुनौती, पवन चौधरी, विधि सेवा, दिल्ली, 1993
5. समाचार पत्र : मद्राण और साज–सज्जा, श्यामसुन्दर शर्मा, मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1978
6. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन, सविता चड्ढा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
7. समाचार फीचर–लेखन एवं सम्पादन कला, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
8. हिन्दी पत्रकारिता इतिहास एवं स्वरूप, शिवकुमार दुबे, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
9. आधुनिक पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
10. सम्पादन के सिद्धान्त, रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1987

एम.ए. हिन्दी, पूर्वार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–5 अनुवाद–विज्ञान II

पाठ्य विषय :

खण्ड (क)

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन, अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न चरण : स्रोतभाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और अर्थ–संप्रेषण की प्रक्रिया, अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति, अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त।

खण्ड (ख)

अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि,

अनुवाद : पुनरीक्षण, सम्पादन, मूल्यांकन, मशीनी अनुवाद, अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य, अनुवाद के गुण।

खण्ड (ग)

छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद, व्यावहारिक अनुवाद।

संदर्भ सामग्री :

1. राजमल बोरा, अनुवाद क्या है, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. मधु धवन, भाषान्तरण कला, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. कैलाशचन्द्र भाटिया, भारतीय भाषाएं और हिन्दी अनुवाद : समस्या समाधान, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. आरसु, साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– I प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य II

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. विद्यापति पदावली, सं.–रामवृक्ष बेनीपुरी, (वन्दना, नखशिख, प्रेम प्रसंग, वसन्त, विरह–कुल पांच खण्ड)

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय :

1. कबीर : व्यक्तित्व और युग, भक्तिभावना, निर्गुण का स्वरूप, रहस्य–साधना, विद्रोह और समाज दर्शन, भाषा, कवि के रूप में कबीर, निर्गुण काव्यधारा में कबीर का स्थान, कबीर और तुलसी के राम में अंतर, ना हिन्दू, ना मुसलमान।
2. तुलसीदास : व्यक्तित्व और युग, दार्शनिक चेतना, भक्तिभावना, लोकमंगल की भावना, चित्रकूट का महत्त्व का महत्त्व, प्रबंध कल्पना, कवितावली का काव्य–सौष्ठव, रामकाव्यधरा में तुलसीदास का स्थान।

संदर्भ–सामग्री :

1. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, विद्यापति, नंद किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी, 1979
2. शिव प्रसाद सिंह, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1961
3. राजदेव सिंह, हिन्दी की निर्गुणकाव्यधरा और कबीर, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 1980
4. सरनाम सिंह शर्मा, कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धान्त, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर, 1969
5. भाग्यवती सिंह, तुलसीदास की काव्यकला, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, 1962
6. हरिश्चन्द्र वर्मा, तुलसी साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन, संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र, 1983
7. संभावना, (तुलसी विशेषांक), हिन्दी विभाग, कु.वि. कुरुक्षेत्र, 1975

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– II काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन I

पाठ्य विषय

1. संस्कृत काव्यशास्त्र

काव्य लक्षण : काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य प्रकार।

रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग (अवयव), साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।

रीति सिद्धान्त : रीति का अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूतव्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएं और औचित्य के भेद।

1. हिन्दी काव्यशास्त्र एवं समीक्षा पद्धतियां

लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि शिक्षा : केशवदास, चिन्तामंणि, कुलपति, देव, पद्माकर, मतिराम के सन्दर्भ में।

आलोचनात्मक पद्धतियां : शास्त्रतीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय।

संदर्भ सामग्री :

1. साहित्यालोचन, श्यामसुन्दरदास, इंडियन प्रैस, प्रयाग, 1942
2. काव्य के रूप, गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली, 1947
3. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1974
4. सिद्धान्त और अध्ययन, गुलाबराय, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 1980
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नगेन्द्र, नेशनल, पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1953
6. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त (दो भाग) गोविन्द, त्रिगुणायत, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली, 1970
7. भारतीय काव्यशास्त्र, कृष्णबल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1959
8. भारतीय काव्यशास्त्र, सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली, 1974
9. भारतीय काव्यसिद्धान्त, काका कालेलकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1969

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– III प्रयोजनमूलक हिन्दी I

पाठ्य विषय :

खण्ड–क

हिन्दी के विभिन्न स्वरूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा, कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य : प्रारूपण, पत्र–लेखन, पल्लवन, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व, निर्माण के सिद्धान्त, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

खण्ड –ख

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय, इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र, इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप अथवा नेटस्केप लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल प्रेषण/ग्रहण, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डानलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड–ग

पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार, समाचार लेखन कला, सम्पादन के आधारभूत तत्त्व, व्यावहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक की संरचना, इंट्रो एवं शीर्षक सम्पादन।

खण्ड–घ

सम्पादकीय लेखन, पृष्ठ–सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार–वार्त्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रैस–कानून एवं आचार संहिता।

संदर्भ–सामग्री :

1. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रेमचंद पंतजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद पंतजलि : आधुनिक विज्ञापन, नई दिल्ली।
4. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, नई दिल्ली।
5. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, प्रयोजनमूलक हिन्दी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
6. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पणी प्रारूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रालेखन प्रारूप, वाणी नई दिल्ली।
9. मणिक मृगेश, राजभाषा विविधा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. कैलाश चन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. महेश चन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– IV भारतीय साहित्य I

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. वर्षा की सुबह (उड़िया कविता) सीताकान्त महापात्र।

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषयों

1. भारतीय साहित्य और भारतीयता
   भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीयता का समाजशास्त्रा, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
2. बंगला और हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : बंगला वैष्णव काव्य परम्परा और हिन्दी भक्तिकाल, बंगला–हिन्दी नाथ साहित्य, बंगला मुस्लिम साहित्य और हिन्दू सूफी काव्य, बंकिमचन्द्र और भारतेन्दु, नज़रूल इस्लाम और निराला, आधुनिक बंगला–हिन्दी गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)।

संदर्भ सामग्री

1. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, फोर्ट विलियम कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 1948
2. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य की कथा, हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2009 (वि.)
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीन धर्म साधना, साहित्य भवन, इलाहाबाद 2013 सं.
4. परशुराम चतुर्वेदी, मध्यकालीन प्रेम साधना, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1952
5. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', रवीन्द्र कविता कानन, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली, 1955
6. नगेन्द्र नाथ गुप्त, विद्यापति ठाकुर की पदावली, इण्डियन प्रैस, प्रयाग, 1910
7. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 1970

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– V राजभाषा–प्रशिक्षण I

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

प्रशासन व्यवस्था और भाषा, भारत की बहुभाषिता और एक सम्पर्क–भाषा की आवश्यकता, राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति, राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान : राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960), राजभाषा अधिनियम 1963 तथा संशोधित 1967, (राजभाषा संकल्प 1968), (यथानुमोदित 1971), राजभाषा नियम 1976, द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र, हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी, हिन्दी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका, हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।

संदर्भ सामग्री :

1. महेशचन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी, नई दिलि।
2. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ, प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भोलानाथ तिवारी, पत्र–व्यवहार निर्देशिका, वाणी, नयी दिल्ली।
4. श्रीराम मुंढे, विज्ञापन के तत्त्व, वाणी, नयी दिल्ली।
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पण प्रारूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रेमचंद पातंजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–VI कोष–विज्ञान I

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

कोश : परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंत : संबंध, कोश के भेद–रामभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी, एक कालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येता कोश, विश्व कोश, बोली कोश, कोश निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्ठिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उपप्रविष्टियां, संक्षिप्तियां, सन्दर्भ और प्रतिसंदर्भ।

संदर्भ सामग्री :

1. शिवनारायण चतुर्वेदी, हिन्दी शब्द सामर्थ्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भाषायी अस्मिता और हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. किशोरीदास वाजपेयी, हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, नई दिल्ली।
4. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,
5. राजमल बोरा, अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञानद्ध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– I प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य II

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. जायसी ग्रन्थावली, सं. रामचन्द्र शुक्ल (नखशिख खण्ड, नागमती वियोग खण्ड, नागमती संदेश खण्ड=कुल तीन खण्ड।
2. घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित विषय :

1. सूरदास–व्यक्तित्व और युग, दार्शनिक चेतना, भक्ति–भावना, श्रृंगार वर्णन, वात्सल्य वर्णन, कृष्ण और राधा का शील निरुपण, सौंदर्य बोध, प्रकृति चित्राण, गीतात्मकता, भाषा, भ्रमरगीत–परम्परा में सूर के 'भ्रमरगीत' का स्थान, भ्रमरगीत में वाग्वैदग्ध्य, कृष्ण काव्यधारा में सूर का स्थान।

संदर्भ–सामग्री :

1. यश गुलाटी, सूफी कविता की पहचान, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1979
2. राजदेव सिंह, पद्मावत : मूल्यांकन, पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली, 1975
3. भीमसिंह मलिक, जायसी काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 1977
4. रामचन्द्र शुक्ल, सूरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1973
5. 'संभावना' सूर विशेषांक, हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय।
6. हरवंश लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़, 1964
7. कृष्णचन्द्र वर्मा, रीति स्वच्छन्द काव्यधारा, कैलाश पुस्तक सदन, ग्वालियर, 1967
8. लल्लनराय, घनानंद, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1983

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– II काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन II

पाठ्य विषय :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त

अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी–विरेचन

लोन्जाइनस : उदात्त की अवधारणा

ड्राइडन : काव्य सिद्धान्त

वर्डसवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त

कॉलरिज : कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी.एस. इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण–संवेदनशीलता का असाहचर्य

आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना

सिद्धान्त और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण, अस्तित्ववाद।

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां–संरचनावाद, शैली विज्ञान, विखंडन सिद्धान्त, उत्तर आधुनिकतावाद।

संदर्भ–सामग्री :

1. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सत्यदेव चौधरी एवं शान्ति स्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1978
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990
3. समीक्षा शास्त्र, दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1972
4. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त, लीलाधर गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1952
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1988
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1972
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धान्त और वाद, नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1967
8. हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास, भगवतस्वरूप मिश्र, साहित्य सदन देहरादून, 1972
9. हिन्दी आलोचना, अतीत और वर्तमान, प्रभाकर माचवे, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1988

10. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना, पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1992
11. नई समीक्षा, महेन्द्र चतुर्वेदी एवं राजकुमार कोहली, विश्वविद्यालय ग्रन्थ निर्माण निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1980

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– III प्रयोजनमूलक हिन्दी II

पाठ्य –विषय :

खण्ड–क मीडिया लेखन, जनसंचार, प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, श्रव्य, इंटरनेट, श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

खण्ड–ख दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा/डाक्यूड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।

खण्ड–ग अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार, अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

खण्ड–घ वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियां, पदनाम, विभाग आदि, पत्रों, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों के अनुवाद।

संदर्भ–सामग्री :

1. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रेमचंद पतंजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद पतंजलि : आधुनिक विज्ञापन, नई दिल्ली।
4. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, नई दिल्ली।
5. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, प्रयोजनमूलक हिन्दी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
6. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पणी प्रारूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रालेखन प्रारूप, वाणी नई दिल्ली।
9. मणिक मृगेश, राजभाषा विविधा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. कैलाश चन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. महेश चन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. रहमतुल्लाह, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ, पत्र–व्यवहार निर्देशिका, वाणी।
14. भोलानाथ तिवारी, प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. श्री राम मुदे, बीमा के तत्त्व, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. कृष्ण कुमार गोस्वामी, व्यावहारिक हिन्दी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. बालेन्दुशेखर तिवारी सं., प्रयोजनमूलक हिन्दी, संजय बुक सैंटर, वाराणसी।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र– IV भारतीय साहित्य II

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. अग्निगर्भ (बंगला उपन्यास) – महाश्वेता देवी
2. घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक)–विजय तेंदुलकर

आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित

बंगला साहित्य का इतिहास

चैतन्य पूर्व वैष्णव साहित्य (10–15वीं शती), विद्यापति, मालान्धर बसु, मंगल काव्य : विजय गुप्त, नारायणदेव, चैतन्य वैष्णव युग (16वीं शती) गौड़ीय, वैष्णव पदावली, चंडीमंगल काव्य, चैतन्य जीवनी, चैतन्योत्तर युग (17वीं शती) मनसामंगल, चंडीमंगल, दुर्गामंगल काव्य, इस्लामी काव्य, नाथ साहित्य, आधुनिक युग (18वीं शती), बंगला गद्य (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध) का उदय और विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज, राजराम मोहनराय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, बंकिमचन्द्र, चट्टोपाध्याय, रमेशचन्द्र दत्त, तारकनाथ गंगोपाध्याय, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, आधुनिक कविता।

संदर्भ सामग्री

1. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, फोर्ट विलियम कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 1948
2. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य की कथा, हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2009 वि.
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीन धर्म साधना, साहित्य भवन, इलाहाबाद 2013 सं.
4. परशुराम चतुर्वेदी, मध्यकालीन प्रेम साधना, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1952
5. सूर्यकान्त त्रिपाठी, 'निराला' रवीन्द्र कविता कानन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1955
6. नगेन्द्र नाथ गुप्त विद्यापति ठाकुर की पदावली, इण्डियन प्रैस, प्रयाग, 1910
7. सुकुमार सेन, बंगला साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 1970

एम.ए. हिन्दी, उत्तारार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–V राजभाषा–प्रषिक्षण II

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार, कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या, हिन्दी कम्प्यूटरीकरण, हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण, केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति, विधिक क्षेत्र में हिन्दी, सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि, भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

संदर्भ सामग्री :

1. महेशचन्द्र गुप्त, प्रशासनिक हिन्दी, नई दिल्ली।
2. भोलानाथ तिवारी एवं विजय कुलश्रेष्ठ, प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ–पठन वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भोलानाथ तिवारी, पत्र–व्यवहार निर्देशिका, वाणी, नयी दिल्ली।
4. श्रीराम मुंढे, विज्ञापन के तत्त्व, वाणी, नई दिले।
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पण प्रारूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. शिवनारायण चतुर्वेदी, टिप्पण प्रारूप, नई दिल्ली।
8. प्रेमचंद पातंजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी, उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र–VI कोश–विज्ञान II

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए पाठ्य विषय

प्रविष्टि संरचना, रूपिम, शब्द और शब्दिम्, सरल, व्युत्पन्न और सामायिक शब्दिम, सहप्रयोगात्म, व्युत्पादक समास, सहप्रयोग और सन्दर्भ, रूप–अर्थ संबंध : अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता, कोश निर्माण की समस्याएं : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओं का कोश–निर्माण।

कोश–निर्माण।

कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र, अर्थविज्ञान, पाश्चात्य कोश परम्परा, भारतीय कोश परम्परा तथा हिन्दी कोश साहित्य का इतिहास, हिन्दी कोश निर्माण : विज्ञान या कला।

संदर्भ सामग्री :

1. शिवनारायण चतुर्वेदी, हिन्दी शब्द सामर्थ्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भाषायी अस्मिता और हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. किशोरीदास वाजपेयी, हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. राजमल बोरा, अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञान), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।